अपनी शाला यूथ प्रोजेक्ट

पहला बैच: दिसम्बर, २०१५ - फ़रवरी, २०१६

यूथ प्रोजेक्ट क्यों?

अपनी शाला का यूथ प्रोजेक्ट पाउलो फ्रेयरे के प्रॉक्सिस (अमल) - क्रिया और उसका अवलोकन - के विचारों पर आधारित, एक युवा के स्वयं, समाज और वातावरण में एक समझपूर्ण भागीदारी की समझ बनाने का प्रयत्न है। कई शैक्षिक कार्यक्रम ऐसे क्रिया और उसका अवलोकन पर निर्धारित, कृतिम रूप से बनाये हुए कार्यो द्वारा, भिन्न-भिन्न अनुभव प्रदान करते हैं (उदाहरण - सर्विस लर्निंग, कम्युनिटी प्रोजेक्ट, लैब के एक्सपेरिमेंट्स, टीम गेम्स, वैगेरह). अवलोकन की प्रक्रिया भी इन्ही अनुभवों पर की जाती है। यह अपने आप में अच्छा है, हालाँकि कभी-कभी ऐसे अनुभव स्टूडेंट्स की जिंदगी से जुड़े नहीं होते (या काफी ऊपरी तरह से जुड़े होते हैं)। वह जिंदगी जहाँ बच्चे डराये जाते हैं और कभी वो दूसरों को डराते हैं, वो ज़िन्दगी जहाँ आजीविका और व्यवसास सम्बन्धी निर्णय लिए जाते हैं, वह ज़िन्दगी जहा माता-पिता का प्यार, उपेक्षा, दुर्व्यवहार और चिंताएं बच्चों की जिंदगी को दिन-प्रति-दिन प्रभावित कर रहीं हैं - वो ज़िन्दगी ही असली एक्शन है।

मगर जब हम हमारे आस-पास देखते हैं तो पता चलता है कि ऐसे कुछ ही जगह हैं जहाँ हमारे युवा अपने विचार रखने में सुरक्षित महसूस कर सकें। इस दिन-प्रतिदिन की क्रियाओं का अवलोकन कर हमारे युवा अपनी जिंदगी के गहरे अर्थ को समझ सकें, ऐसा ASYP का लक्ष्य है।

हमारे जीवन का रूप इस बात से तय होता है की हम किन सामाजिक रूपों में पहचाने जाते हैं। हमारी पहचान किशोरावस्था में रूप लेने लगती है। उसकी साथ हमारे दूसरों और स्वयं के प्रति कई तरह की धारणायें और मतभेद होने लगते हैं। ये आगे जाकर भेदभाव और हिंसा का रूप लेता है।

सवाल हमारे सामने यह है कि क्या हम एक सुरक्षित माहौल बना सकते'हैं जहा लोग अपने विचार बेझिझक रख सकें? कैसा होगा अगर हमारे युवा ऐसा पूरी ज़िन्दगी कर पाएं? कैसा होगा अगर हमारे युवा अपने अंदर गलत धारणाओं को खुद ठीक करने का तरीका सीख जाएँ? क्या ये फिर उनके सच्चे विकास में मददगार साबित न होगा?

हमारा लक्ष्य

ऐसे ही कुछ सवालों के साथ, ASYP युवाओं के लिए एक ऐसा वातावरण बनाना चाहता है जो उनकी निम्नलिखित चीज़ो में मदद कर सके -

- वो अपनी जिंदगी को अलग-अलग सामाजिक पहचानों के नज़रिये से देख सकें
- खुद के अंदर सहानभूति/संवेदना विकसित कर सकें
- वे समाज में खुद के स्थान और उसके साथ आने वाले विशेषाधिकार, शक्ति एवं मर्जिनलाइजेशन को समझ सकें

ASYP कैसे काम करेगा?

- १०-१५ के समुह में, युवा उन मुद्दो को सामने लाएंगे जिन्हे वो महत्वपूर्ण समझते हैं। उनकी जिंदगी ही यूथ प्रोजेक्ट का पाठ्यक्रम है।
- रविवार के वर्कशॉप में, उन मुद्दों को हम गहराई से समझने की कोशिश करेंगे।
- रविवार की चर्चा को स्टूडेंट्स की पढाई या काम से जोड़ने की कोशिश की जायेगी।
- एक्सप्रेसिव लेखन, बुक और फिल्म क्लब, कविता, नाटक, कला जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।
- ASYP के वर्कशॉप, अंतर्मुखी और बहिर्मुखी स्टूडेंट्स की जरूरतों को ध्यान में रख कर बनाया जाएगा।
- ३ महीने के अंत में सारे स्टूडेंट्स एक प्रोजेक्ट करेंगे, जो की उनके डिस्कशन से ही निकल के आएगा।

ASYP किसके लिए है?

आयु: १४ से १८ तक
अगर पढाई करते हैं, तो नौवी और इग्यारहवी के स्टूडेंट्स
ऐसे स्टूडेंट्स जो नीचे दिए सारे रविवार को १०:३० से ५:०० तक अपना समय देने को तैयार हों।

सारणी (दिसंबर, २०१५ - फ़रवरी, २०१६)

दिसंबर - २० और २७
जनवरी - ३,१०,१७,२४ और ३१
फरवरी - ७,१४,२१ और २८
टाइमिंग: १०:३० से ५:०० बजे तक

धन्यवाद!

ASYP पाउलो फ्रेयरे (पेडागॉजी ऑफ़ दी ओप्रेस्ड), वेलेस्ले कॉलेज, USA के सीड प्रोग्राम, चिममंडा अडीची के डेंजर ऑफ़ सिंगल स्टोरी, फिफ्थ स्पेस और आकांक्षा फाउंडेशन के सर्विस लर्निंग प्रोग्राम (२०१२-२०१५) से काफी प्रभावित है। हम इन सभी लोगो/संस्थाओं के आभारी हैं जिन्होंने इतना महत्वपूर्ण काम किया और दुनिया के साथ बाँटा जिससे हम सीख सके।